देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

एल.एल.बी. पांचवा सेमेस्टर L.L.B.(Fifth Semester)

प्रथम प्रश्न पत्र 2012

दीवानी प्रक्रिया संहिता और मियाद अधिनियम
CODE CIVIL PROCEDURE AND LIMITATION ACT

नोट- कुल पाँच प्रश्न हल कीजिए। निम्न प्रत्येक खण्ड में से न्यूनतम एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है। समस्त प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

Note: Attempt five questions in all. At least One question must must be answered from each section. All questions carry equal marks.

खण्ड-अ Section-A

1. निम्नलिखित में किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-
   (1) विदेशी निर्णय (2) मुजराई तथा प्रतिविरोधी दावे
   (3) प्रारम्भिक आज्ञप्ति एवं अन्तिम आज्ञप्ति
   (4) व्यवहार न्यायालय का क्षेत्राधिकार/विवेचनाधिकार (धारा 8)
   (5) मध्यवर्ती लाभ (6) सम्मन की तामीली

   Write short notes on any four of the following.
   (i) Foreign Judgement (ii) Set off and Counter claims
   (iii) Preliminary and Final decree
   (iv) Jurisdiction of civil court (section 9) (v) Mesne profit
   (vi) Service of summons
2. प्राडन्याय के रचनात्मक स्वरूप को परिभाषित कीजिए एवं उसकी अवधारणा को पुनः लेखन कीजिए। प्राडन्याय एवं पूर्ण निर्णय में अन्तर कीजिए। प्राडन्याय की आवश्यक शर्तों को स्पष्ट कीजिए। प्राडन्याय का विबंध से अन्तर कीजिए।

   Define the concept of constructive Resjudicata and "Revisit" it's genesis. Distinguish between Resjudicata and Precedent. Elucidate the essential conditions of Resjudicata. Distinguish Estoppel from Resjudicata. http://www.davvonline.com
3. संक्षेप में आप अभिवचनों के नियमों की व्याख्या कीजिये। क्या वाद पत्र एवं प्रतिवाद पत्र अभिवचन है ?

   Explain with the help of pleading known to you in brief. Wherher plaint and a written statement are pleadings?
4. (अ) एक निगमित निकाय द्वारा सिविल वाद कहाँ पर संस्थित किया जा सकेगा ? किसी व्यक्ति द्वारा निगमित निकाय के विरुद्ध वाद कहाँ संस्थित होगी ? निर्धारित वाद के निर्णय की सहायता से उत्तर दीजिए।

   At which place the civil suit can be filed by the corporate body? Where an individual can file a suit against the corporate body? Answer with the help of decided leading case.

   (ब) दुष्कृति के मामले में एक व्यक्ति द्वारा दुष्कृति का व्यवहार वाद कहाँ संस्थित होगा ?

   In matters of torts, where the civil suit of tort should be filed by the individuals? http://www.davvonline.com

खण्ड-ब Section-B

5. (अ) व्यवहार प्रक्रिया संहिता में प्रदत्त प्रथम अपील के प्रावधान लिखिए।

   Enumerate provisions of first appeal as provide under CPC.

   (ब) व्यवहार प्रक्रिया संहिता में द्वितीय अपील सम्बन्धी प्रावधान लिखिए।

   State the provisions of IInd appeal as provided under Civil Procedure/code.

   (स) व्यवहार प्रक्रिया संहिता में उपबंधित पुनरीक्षण एवं पुनर्विलोकन के आधारों का वर्णन कीजिए एवं अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Describe the provision of Revision and Review as legislated under Civil Procedure Code and also distinguish between, the grounds of both.

6. एक निष्पादन कर्ता न्यायालय किन प्रश्नों का न्याय निर्णयन कर सकता है ? क्या वह "आज्ञप्ति" की वैधता पर उठाए गए प्रश्नों की सुनवाई करने में समक्ष होगा ? कब वह आज्ञप्ति के पीछे जा सकता है ? http://www.davvonline.com

Of what questions the executing court could hear and adjudicate? Whether it could hear the questions or objection on the invalidity of decree? Can it go behind & against decree? Shall it be competent? When if yes?

7. निम्न युग्मों में अन्तर कीजिए- (कोई दो)

(1) निर्णय एवं आज्ञप्ति (2) वादों का प्रत्याहरण एवं समायोजन

(3) प्रथम सुनवाई पर वाद का निराकरण तथा एक पक्षीय सुनवाई के विरुद्ध उपचार

(4) निर्णय पूर्व कुर्की एवं गिरफ्तारी

Distinguish between any **two** pairs of the following

(a) Judgement and Decree (b) Withdrawal and Adjustment of suits

(c) Disposal of suit at the 1st hearing and Remedies against ex-parte order to set aside (d) Attachment and Arrest before judgement.

8. न्यायालय द्वारा पक्षकारों के परीक्षण से सम्बन्धित व्यवहार प्रक्रिया के प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

Describe the provisions of Civil Procedure Code relating to examination of Parties by court.

9. मृत्यु, विवाह एवं पक्षकारों का दिवालियापन की व्यवहारिक वाद पर क्या प्रभाव होता है ? विवेचना कीजिए। http://www.davvonline.com

Discuss, what is the effect of death, marriage and insolvency of parties in civil case.

खण्ड-स Section-C

10. निम्नलिखित वादों में से किसी **एक** निर्धारित वाद के तथ्य, निर्णय एवं प्रतिपादित विधिक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए-

(अ) मथुरा प्रसाद बनाम दासी बाई, ए.आई.आर. 1971 SC 2355

(ब) स्टेट बनाम एडमिनिस्ट्रेटर, ए.आई.आर. 1972 SC 749

State the facts, Judgemnt and Principles of law laid down in any **one** of the decided cases by the Apex Court of India in following:

(a) Mathura Prasad Vs. Dassi Bai, AIR 1971 SC 2355

(b) State Vs. Administrator, AIR 1972 SC 749.